क्र.सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	17/1/15	पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी अनुपस्थित। प्रार्थी स्वयं भी अनुपस्थित। न्यायालय समय में बार-बार आवाजें लगवाई गई परन्तु ना तो प्रार्थी स्वयं उपस्थित हुए ना ही प्रार्थी की ओर से कोई अधिवक्ता उपस्थित हुए। अतः प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र अदम हाजिरी अदम पैरवी में खारिज फरमाया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।